मेरठ कॉलेज, मेरठ

Newsletter

सत्र : 2025–26
अंक–9 (द्वैमासिक)
जन.–फर. 2026

(A 'NAAC' Accredited College)
Awarded "College with Potential for Excellence" by U.G.C.
Star Status, DBT, Govt. of India
Website : mcm.ac.in E-mail : principal_mcm1892@ymail.com

"शिक्षा की एकरूपता और गुणवत्ता की दिशा में सशक्त कदम : मेरठ कॉलेज में इग्नू बीएड की 12 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ"

दिनांक 4 जनवरी 2026 को मेरठ कॉलेज, मेरठ के डॉ. रामकुमार गुप्ता सेमिनार हॉल में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बीएड द्वितीय वर्ष की 12 दिवसीय ऑफलाइन कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। इस कार्यशाला में भारत के विभिन्न राज्यों एवं उत्तर प्रदेश के 27 जनपदों से आए इग्नू बीएड के छात्र–शिक्षक भाग ले रहे हैं, जो केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय सहित विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में सेवारत हैं। प्रतिभागियों की विविधता के कारण यह कार्यशाला एक लघु उत्तर प्रदेश का स्वरूप प्रस्तुत कर रही है। कार्यशाला का उद्घाटन मेरठ कॉलेज के इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर चंद्रशेखर भारद्वाज, शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्षा प्रोफेसर मीनाक्षी शर्मा, शिक्षा विभाग के प्रोफेसर सुधीर कुमार पुंडीर एवं इग्नू बीएड कार्यक्रम संयोजक/असिस्टेंट कॉर्डिनेटर प्रोफेसर संजय कुमार त्यागी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मेरठ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. युद्धवीर सिंह ने सभी प्रतिभागी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं और कार्यशाला को उनके शैक्षिक विकास के लिए उपयोगी बताया।

नैतिक पत्रकारिता से सशक्त जनसंचार: मीडिया की भूमिका पर सार्थक विमर्श
मीडिया करता है समाज की दिशा तय: वरिष्ठ प्रत्रकार रविंद्र राणा

10 जनवरी 2026 को आज के डिजिटल और सूचना–प्रधान युग में मीडिया की भूमिका, उसकी विश्वसनीयता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर केंद्रित एक वेबिनार "मीडिया एथिक्स, रिस्पॉन्सिबल जर्नलिज्म एंड पब्लिक कम्युनिकेशन" का आयोजन सभा डोमेन क्लब द्वारा मेरठ कॉलेज, मेरठ में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन किया गया, जिसमें शैक्षणिक और बौद्धिक वातावरण में गहन विचार–विमर्श देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार डॉ. रविन्द्र राणा रहे। अपने प्रभावशाली संबोधन में उन्होंने कहा कि मीडिया केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की दिशा तय करने वाली शक्ति है। डॉ. राणा ने फेक न्यूज, सनसनीखेज पत्रकारिता और सोशल मीडिया के अनियंत्रित उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में नैतिकता और उत्तरदायित्व ही पत्रकारिता की सबसे बड़ी कसौटी है। उन्होंने युवाओं से सत्य, निष्पक्षता और जनहित को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

युवा चेतना के स्वर हैं स्वामी विवेकानंद: प्रो अनीता गोस्वामी

स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती के अवसर पर दिनांक 12 जनवरी 2026 दिन सोमवार को मेरठ कॉलेज, मेरठ के डॉ. रामकुमार गुप्ता सभागार में एक दिवसीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेरठ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. युधवीर सिंह ने की। इस अवसर पर राजकीय कन्या महाविद्यालय, सरधना की प्राचार्या प्रोफेसर अनीता गोस्वामी मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित रहीं। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. युद्धवीर सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल एक संत नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के शिल्पकार थे। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का मंत्र दिया। आज का युवा यदि विवेकानंद के विचारों को आत्मसात कर ले, तो भारत पुनः विश्वगुरु बन सकता है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर अनीता गोस्वामी ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को "उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक रुको मत" का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का दर्शन आत्मबल, नारी सशक्तिकरण और नैतिक मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं से आत्मनिर्भर बनने, शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रोफेसर चंद्रशेखर भारद्वाज ने स्वामी विवेकानंद और मेरठ के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वामी विवेकानंद नवंबर 1891 में मेरठ पधारे थे। उन्होंने यहां एक चिकित्सक से उपचार कराया और सिटी रेलवे स्टेशन के पास मनसा देवी मंदिर के पीछे स्थित सेठ जी के बाग में कई महीने निवास कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। इस दौरान उनके सहयोगी स्वामी योगानंद भी उनके साथ रहे। पुस्तकों के प्रति उनके प्रेम के कारण वे तिलक पुस्तकालय, घंटाघर का नियमित रूप से भ्रमण करते थे तथा मेरठ छावनी क्षेत्र में सैनिकों की परेड देखने भी जाते थे। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अर्चना सिंह (इतिहास विभाग) ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन युवाओं के लिए आदर्श है और उनके विचारों को शिक्षा से जोड़ना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और नैतिक चेतना का विकास होता है।

मेरठ कॉलेज में शोधार्थियों हेतु अनुसंधान विकास एवं क्षमता संवर्धन सत्र आयोजित

मेरठ कॉलेज, मेरठ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) एवं रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में 13 जनवरी 2026 को (Research Development and Capacity Enhancement Session with Research Scholars) विषय पर एक विशेष शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के राम कुमार गुप्ता सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कॉलेज में नामांकित 100 से अधिक जूनियर रिसर्च फेलो (JRF) ने सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के प्रोफेसर पंजाब मलिक द्वारा की गई। उन्होंने शोधार्थियों को अनुसंधान नैतिकता एवं प्रकाशन प्रक्रिया से अवगत कराते हुए First Author, Corresponding Author एवं Co-Author की भूमिका, दायित्व तथा लेखकीय क्रम (authorship order) के महत्व को विस्तार से समझाया। इसके पश्चात IQAC समन्वयक प्रोफेसर अर्चना सिंह ने सत्र को संबोधित करते हुए बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ NAAC एवं NIRF जैसे राष्ट्रीय मूल्यांकन ढाँचों के अंतर्गत शोध गुणवत्ता, प्रकाशन संस्कृति एवं संस्थागत रैंकिंग में सुधार की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि IQAC द्वारा Indian Knowledge Systems (भारतीय ज्ञान परंपरा) पर आधारित दो संपादित पुस्तकों

(Edited Books) का प्रकाशन प्रस्तावित है, जिसके लिए शोधार्थियों से अध्याय (Book Chapters) आमंत्रित किए गए हैं।

स्टैंडिंग वर्टिकल जंप प्रतियोगिता 2026

दिनांक 21 जनवरी 2026 को दोपहर 12:00 बजे मेरठ महाविद्यालय मेरठ के ऊर्जा खेल एवं स्वास्थ्य क्लब के तत्वाधान में संस्थागत छात्र–छात्राओं हेतु 'स्टैंडिंग वर्टिकल जंप प्रतियोगिता 2026' का आयोजन किया गया. उक्त प्रतियोगिता में बालक वर्ग में 35 विद्यार्थियों तथा बालिका वर्ग में 18 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा। बालक वर्ग प्रथम स्थान–ऋषभ कुमार जंप–68 सेंटीमीटर, द्वितीय स्थान – संयुक्त रूप से तीन छात्रों को प्रदान किया गया आशीष कुमार, स्पर्श सिंह एवं अंकुर कुमार जंप 58 सेंटीमीटर, तृतीय स्थान – कार्तिक कुमार जंप हाइट 57 सेंटीमीटर इसी वर्ग में 6 खिलाड़ियों यश कुमार, अंशुल कुमार, मोहित, रोहन कुमार, वासुदेव और सुमित कुमार को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया. बालिका वर्ग का परिणाम इस प्रकार रहा– प्रथम स्थान – खुशी चौहान, द्वितीय स्थान – हिना तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से तीन छात्राओं अवनी एवं खुशी सिंह को प्रदान किया गया। बालिका वर्ग में 6 छात्राओं राशि, खुशी सिंह, भूमिका, शैली, रिया एवं गुनगुन को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मेरठ कॉलेज में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी आयोजित

1937 में सुभाष बाबू हुए थे नोबेल पुरस्कार हेतु नामितः प्रो नीरज कुमार

मेरठ कॉलेज में गुरुवार को महान स्वतंत्रता सेनानी और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन 23 जनवरी को किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य नेताजी के जीवन, संघर्ष, विचारों तथा राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को स्मरण करना और युवाओं को उनसे प्रेरणा देना था। कार्यक्रम में नेताजी के मेरठ आगमन और यहाँ दिए गए उनके प्रेरक भाषणों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मेरठ कॉलेज के सचिव श्री विवेक कुमार गर्ग ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा, "नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि आजाद हिंद फौज के कर्नल शाहनवाज ढिल्लों कई दिनों तक हमारे घर रुके थे। बचपन में उनसे सुनी नेताजी और आजाद हिंद फौज की कहानियाँ आज भी प्रेरणा देती हैं।" मुख्य वक्ता श्री जी.के. अग्रवाल, जो आजाद हिंद फौज के कर्नल ढिल्लों के निकट सहयोगी रहे, ने नेताजी के व्यक्तित्व के कई अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "बीमार रहते हुए भी नेताजी ने इंडियन सिविल सर्विस की परीक्षा में उत्कृष्ट नवीं रैंक प्राप्त की। जब वे आजाद हिंद फौज के संदर्भ में जापान के शासक जनरल तोजो से मिले, तो जनरल तोजो उनसे इतने प्रभावित हुए कि कई दिनों तक उनके साथ ही रहे।" उन्होंने यह भी बताया कि "कोहिमा की विजय के बाद नेताजी ने रानी झांसी रेजिमेंट की महिला सैनिकों के साथ लगभग 40 मील तक पैदल यात्रा की, जो उनके नेतृत्व और समानता के दृष्टिकोण को दर्शाता है।" द्वितीय वक्ता मेरठ कॉलेज के प्राणी विज्ञान विभाग के प्रोफेसर नीरज कुमार ने कहा, "1937 का वर्ष नेताजी के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी वर्ष उनका विवाह ऑस्ट्रिया की नागरिक एमिली से हुआ और उनका नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया।" उन्होंने नेताजी से जुड़े जापान स्थित रेंकोजी टेंपल के संस्मरण भी साझा किए। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर अर्चना द्वारा किया गया। संगोष्ठी के आयोजन सचिव प्रोफेसर चंद्रशेखर भारद्वाज ने कहा, "इस आयोजन का उद्देश्य नेताजी के विचारों को आज की पीढ़ी तक पहुँचाना और उनमें राष्ट्रसेवा की भावना जागृत करना है।"

नई सदी का भारत है, ये 62 वाला दौर नहीं।

हम भी दुनिया के दादा हैं, दिल्ली है, लाहौर नहीं।। –कवि हरिओम पंवार

मेरठ कॉलेज, मेरठ के ऐतिहासिक सभागार में 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा "उत्तर प्रदेश गौरव" से सम्मानित प्रख्यात कवि एवं विचारक डॉ. हरिओम पंवार रहे, जिनकी ओजस्वी व राष्ट्र प्रेरक काव्य–प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को गहरे तक प्रभावित किया। डॉ. हरिओम पंवार ने अपने काव्य–पाठ की शुरुआत उपरोक्त पंक्तियों से करते हुए कहा कि आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ, सशक्त और वैश्विक मंच पर निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र है। उनकी लगभग पंद्रह मिनट से अधिक चली कविता में देश के विभाजन, बंगाल विभाजन तथा 1971 में बांग्लादेश के निर्माण जैसी ऐतिहासिक घटनाओं का सजीव चित्रण किया गया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विभाजन की पीड़ा ने देश को कमजोर किया, जबकि एकता ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति रही है। उनके वक्तव्य और काव्य–पाठ पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। डॉ युद्धवीर सिंह ने कहा कि राष्ट्र एक है, उसे बांटने वाले अनेक हो सकते हैं, लेकिन समय की मांग है कि सभी शक्तियां एकजुट होकर देश की मजबूती के लिए कार्य करें। उन्होंने राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेरठ कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. ओपी अग्रवाल ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान हमें अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है। कॉलेज के सचिव श्री विवेक कुमार गर्ग ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए मेरठ कॉलेज की गौरवशाली परंपरा और शैक्षणिक योगदान की चर्चा की। उन्होंने डॉ. हरिओम पवार को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग की प्रोफेसर अर्चना सिंह ने प्रभावशाली ढंग से किया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. युद्धवीर सिंह ने मेरठ कॉलेज की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। एनसीसी अधिकारी डॉ. अवधेश कुमार के नेतृत्व में एनसीसी परेड एवं गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया गया, जिसने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

डॉ हरीओम पंवार को मिला "उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान"

मेरठ कॉलेज के पूर्व शिक्षक डॉ हरीओम पंवार को 2026 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा "उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान" से सम्मानित किया गया। यह एक राज्य–स्तरीय नागरिक सम्मान है जो उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने साहित्य, कला या समाज सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देकर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। पुरस्कार उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर लखनऊ में आयोजित समारोह में गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में प्रदान किया गया, जिसमें उन्हें सम्मान पत्र, अंगवस्त्र और आर्थिक सहायता भी दी गई। इस गणतंत्र दिवस पर कॉलेज में भी उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया।

भूगोल विभाग ने किया सैनी गाँव और आसपास के क्षेत्रों का भौगोलिक अध्ययन भ्रमण

मेरठ कॉलेज, मेरठ के भूगोल विभाग द्वारा 'काली नदी के पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन' सैनी गाँव में 29–01–2026 को किया गया। इस अध्ययन भ्रमण का उद्देश्य काली नदी के प्रदूषण के प्रभावों का आकलन करना और स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य और आजीविका पर इसके प्रभावों को समझना है। मेरठ कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. युद्धवीर सिंह जी ने इस अध्ययन भ्रमण को अपनी स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने कहा, 'यह अध्ययन भ्रमण छात्रों के लिए एक अनोखा अनुभव होगा। वे न केवल काली नदी के पर्यावरणीय प्रभावों को समझेंगे, बल्कि स्थानीय निवासियों के जीवन को भी करीब से देखेंगे।' इस टूर में भूगोल विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो अनीता मलिक के साथ ही इस भ्रमण के समन्वयक और आयोजक प्रो परमजीत सिंह, प्रो नीरज तोमर, प्रो राजीव कुमार और प्रो पूनम चौधरी और छात्र शामिल हुए। भूगोल विभाग के प्रोफेसर अनीता मालिक ने छात्रों को निर्देश देते हुए कहा, "यह अध्ययन भ्रमण आपके लिए एक सुनहरा अवसर है। आप न केवल थ्योरी पढ़ाई को व्यावहारिकता में लागू करेंगे, बल्कि समाज के लिए भी कुछ महत्वपूर्ण योगदान देंगे। सैनी गाँव में आप स्थानीय लोगों से बातचीत करेंगे, जागरुग करेंगे, उनकी समस्याओं को समझेंगे और अपने सर्वेक्षण के लिए डेटा एकत्र करेंगे।"

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "अर्थशास्त्रः प्रासंगिकता एवं क्षेत्र" विषय पर ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यान का आयोजन

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनाँक 31 जनवरी को प्रातः 11:00 बजे एक अत्यंत विचारोत्तेजक एवं शैक्षणिक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में प्रो. आर. पी. जुयाल ने "अर्थशास्त्रः प्रासंगिकता एवं क्षेत्र" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. युद्धवीर सिंह एवं अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष श्री अंकुर गुप्ता ने अतिथि वक्ता का स्वागत किया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ शोधार्थी निशांत नैन द्वारा वक्ता के संक्षिप्त परिचय के साथ हुआ, जिन्होंने पूरे सत्र का सफल एवं प्रभावी संचालन भी किया। यह कार्यक्रम स्नातक (बी.ए.) एवं स्नातकोत्तर (एम.ए.) स्तर के अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें 60 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने व्याख्यान की शुरुआत करते हुए प्रो. जुयाल ने शास्त्रीय अर्थशास्त्र के जनक एडम स्मिथ के विचारों का उल्लेख किया तथा अर्थशास्त्र को स्व–हित की अवधारणा से जोड़ते हुए यह स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत हित किस प्रकार सामाजिक कल्याण में परिवर्तित हो सकता है। उन्होंने अर्थशास्त्र को केवल संख्याओं एवं सिद्धांतों तक सीमित न मानते हुए उसे मानवीय व्यवहार, नैतिकता एवं सामाजिक मूल्यों से गहराई से जुड़ा हुआ विषय बताया।

मेरठ कॉलेज के चिकित्सा समिति द्वारा कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 4 फरवरी 2026 को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर मेरठ कॉलेज की चिकित्सा समिति द्वारा कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समय पर जांच और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को समझाना था। इस कार्यक्रम में मेरठ के प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ डॉ सुभाष सिंह ने कैंसर के प्रमुख कारण, लक्षण, निदान और उससे बचाव पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया की कैंसर लाइलाज नहीं है। परंतु इसकी समय से जांच और इलाज नहीं किया गया तो यह जानलेवा हो सकता है। भारत में प्रतिवर्ष करीब 18 लाख से अधिक कैंसर के नये मामले सामने आते है जिसमे से 80 प्रतिशत तीसरा यानि एडवांस स्टेज में होता है। प्रतिवर्ष 12 लाख से अधिक कैंसर के मरीजो की मृत्यु हो जाती है। उन्होंने बताया कि पहले एक लाख पर 20–30 कैंसर के मरीज मिलते थे जो बढ़कर 200–300 हो गये हैं।

मेरठ कॉलेज, मेरठ के भौतिकी विभाग द्वारा व्यक्तित्व विकास पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

मेरठ कॉलेज, मेरठ के भौतिकी विभाग द्वारा "व्यक्तित्व विकास (आत्म–खोज की कला)" विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राम कुमार गुप्ता हॉल, मेरठ कॉलेज, मेरठ में दिनांक 6 फरवरी 2026 को प्रातः 11:00 बजे संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. मृदुला शर्मा (डायरेक्टर, आर्यावर्त हॉस्पिटल, मेरठ एवं पूर्व संकाय सदस्य, मेरठ कॉलेज) रहीं। उन्होंने अपने प्रेरणादायक व्याख्यान में विद्यार्थियों को आत्म–विश्लेषण, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच तथा जीवन में संतुलन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व विकास केवल बाहरी व्यवहार नहीं, बल्कि स्वयं को समझने और अपनी क्षमताओं को पहचानने की प्रक्रिया है।

"आईपीआर एवं एंटी–प्लेजरिज्म प्रैक्टिसेज" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

आईक्यूएसी, मेरठ कॉलेज, मेरठ के तत्वावधान में "आईपीआर एवं एंटी–प्लेजरिज्म प्रैक्टिसेज" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों तथा शैक्षणिक लेखन में मौलिकता और नैतिकता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में विधि विभाग, मेरठ कॉलेज, मेरठ के डॉ. अशोक कुमार शर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकार, कॉपीराइट तथा प्लेजरिज्म से जुड़े कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को शोध और प्रकाशन में नैतिक मानकों के पालन हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यशाला में लगभग 60 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन तथा 40 प्रतिभागियों ने ऑफलाइन मोड में भाग लिया।

मेरठ कॉलेज के कुश्ती खिलाड़ी सौरभ राणा ने किया कमाल

महाविद्यालय के बीपीईएस द्वितीय वर्ष के छात्र सौरभ राणा ने जनपद गाजियाबाद में दिनांक 12 से 14 फरवरी 2026 तक आयोजित रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (फेडरेशन कप 2026) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 72 किलोग्राम भार वर्ग की ग्रीकोरोमन स्पर्धा में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सौरभ राणा ने अपने शानदार प्रदर्शन से महाविद्यालय व प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। इस प्रदर्शन के आधार पर सौरभ राणा का चयन भारतीय प्रशिक्षण शिविर जो कि सोनीपत में आयोजित होगा, के लिए चयन किया गया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के अवैतनिक सचिव श्री विवेक गर्ग एवं प्राचार्य प्रो युद्धवीर सिंह ने सौरभ राणा एवं महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग (बीपीईएस पाठ्यक्रम) के शिक्षक डॉ विपिन कुमार,डॉ संदीप सिंह व वंशिका को शुभकामनाएं प्रेषित की।

मेरठ कॉलेज मेरठ बना बॉक्सिंग (पुरुष) प्रतियोगिता का चौंपियन

दिनांक 12 और 13 फरवरी 2026 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ की अंतर महाविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता (महिला एवं पुरुष) का आयोजन सम्राट पृथ्वीराज चौहान कॉलेज, बागपत में किया गया। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में मेरठ महाविद्यालय की पुरुष बॉक्सिंग टीम ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की पुरुष वर्ग की चौंपियनशिप पर कब्जा किया। टीम मैनेजर प्रोफेसर योगेश कुमार ने बताया कि पुरुष वर्ग में अभिषेक रावत ने 50 से 55 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। गौरव चौहान ने 80 से 85 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। हरीश हिना ने 90 प्लस किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यश ठाकुर ने 55 से 60 किलोग्राम भाग वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया। अभिषेक रावत को उसके तकनीकी प्रदर्शन के आधार पर जूरी ऑफ अपील ने प्रतियोगिता का 'श्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी' घोषित किया। महिला वर्ग में महाविद्यालय की एकमात्र बॉक्सर स्नेहा शर्मा ने 75 किलोग्राम भारत वर्ग में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव श्रीमान विवेक गर्ग एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर युद्धवीर सिंह के साथ–साथ शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार ने सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर गौरव चौहान और हरीश हिना का चयन अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता हेतु चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की टीम में किया गया।

मेरठ कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा 'अंग्रेजी भाषा में प्रवीणता' पर कार्यशाला आयोजित

मेरठ कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा 'अंग्रेजी भाषा में प्रवीणता' विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें तीनों संकाय – कला, वाणिज्य एवं विज्ञान, के छात्र–छात्रायें शामिल रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा लिखने और बोलने की क्षमता का विकास

करना था। कार्यशाला के अंतिम दिन दिनांक 13 फरवरी को, मेरठ कॉलेज के प्राचार्य प्रो युद्धवीर सिंह द्वारा छात्रों को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। कार्यशाला के आयोजन में विभागाध्यक्षा प्रो अल्पना रस्तोगी, कार्यशाला की कोऑर्डिनेटर प्रो मोनिका भटनागर, प्रो अवधेश कुमार, डॉ सुमन चौहान, पूजा रानी एवम् मानसी का विशेष योगदान रहा ।

मेरठ कालेज मेरठ में तीन दिवसीय रोवर क्रू–रेंजर शिविर का शुभारंभ

मेरठ कॉलेज, मेरठ में दिनांक 19 फरवरी 2026 को रोवर क्रू–रेंजर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह तीन दिवसीय शिविर जिला संगठन आयुक्त, मेरठ, श्रीमती पूनम रानी (स्काउट भवन, लाल कुर्ती) के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिवस प्रतिभागियों को ध्वज शिष्टाचार, प्रतिज्ञा एवं नियम, प्रार्थना, स्काउट–गाइड के इतिहास तथा संगठन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम का संचालन मेरठ कॉलेज की सीनियर रेंजर रोवर प्रभारी प्रोफेसर पूनम सिंह व रोवर प्रभारी प्रोफेसर एस.के. पुंडीर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। ध्वज शिष्टाचार का संचालन चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर अनिल कुमार राठी द्वारा किया गया।

मेरठ कॉलेज में शतरंज प्रतियोगिता का रोमांच : वंश यादव और एजंल गुप्ता बने विजेता

मेरठ कॉलेज, मेरठ के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा शतरंज अंतः संस्थीय प्रतियोगिता (Chess Intramural Competition) 2025–26 का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता, रणनीतिक सोच तथा खेल भावना का विकास करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेरठ कॉलेज प्रबन्ध समिति के अवैतनिक सचिव श्री विवेक गर्ग रहे, जबकि आयोजन अध्यक्षा के रूप में प्रो. सीमा पंवार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि तथा अध्यक्षा ने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों से छात्र एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता का संचालन आयोजन सचिव डॉ. सुधीर मलिक द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों को विभाग द्वारा विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा चयनित टीम आगामी अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता में मेरठ कॉलेज का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में वंश यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि हर्ष कुमार द्वितीय और अरनव सिंह तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में एजंल गुप्ता ने प्रथम, दिव्यान्सी चौधरी ने द्वितीय तथा सना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मात्र संवाद नहीं हिंदी है रोजगार की भाषाः शिखा वार्ष्णेय (लंदन)

हिंदी है हिंदुस्तान का भविष्यः अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकार शिखा वार्ष्णेय

मेरठ कॉलेज, मेरठ के डॉ. रामकुमार गुप्ता सभागार में "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाषा एवं साहित्य की वर्तमान स्थिति" विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन साहित्य एवं सांस्कृतिक परिषद द्वारा किया गया, जिसकी संयोजिका प्रो. रेखा राणा तथा सह–संयोजक प्रो. वाचस्पति मिश्रा रहे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता अंतरराष्ट्रीय साहित्यकार एवं प्रतिष्ठित विदुषी श्रीमती शिखा वार्ष्णेय ने हिन्दी भाषा की समकालीन भूमिका, वैश्विक स्तर पर उसकी प्रासंगिकता तथा साहित्यिक विकास के विविध आयामों पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि हिन्दी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और ज्ञान परंपरा की सशक्त वाहक है। उन्होंने मातृभाषा में ज्ञानार्जन को सहज और प्रभावी बताते हुए हिन्दी के व्यापक प्रचार–प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में यात्रा के दौरान हिन्दी समाचार पत्रों की उपलब्धता सीमित है, जो हिन्दी की उपेक्षा को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि लंदन में रहकर वे हिन्दी साहित्य के प्रचार–प्रसार हेतु निरंतर प्रयासरत हैं तथा भारतीय साहित्यकारों के सम्मेलन भी आयोजित करती हैं। उन्होंने हिन्दी बोलने में हीन भावना को दूर करने के लिए पहल करने, हिन्दी को रोजगार की भाषा बनाने के लिए निर्भीक होकर प्रयोग बढ़ाने तथा हिन्दी की स्वीकार्यता बढ़ाने हेतु अनुवाद और भाषाई समावेशन को आवश्यक बताया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रश्न पूछे, जिनका वक्ता ने समाधान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. ऊषा किरण ने अपनी काव्य प्रस्तुति देकर वातावरण को साहित्यिक रस से सराबोर कर दिया।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ तथा संस्कृत विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा पर साप्ताहिक कार्यशाला आयोजित

दिनांक 26 फरवरी 2026 को मेरठ कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ तथा संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित साप्ताहिक कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. शर्मा ने अपने प्रेरक व्याख्यान में भारतीय ज्ञान परंपरा के ज्ञान, धर्म, जिज्ञासा और प्रश्न की परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में वैदिक काल से ही प्रश्न पूछने की समृद्ध परंपरा रही है। गुरु–शिष्य संवाद के माध्यम से ही ज्ञान का विस्तार होता था। आज भी विद्यार्थियों को अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्रश्न पूछकर करना चाहिए। उन्होंने ऋग्वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय चिंतन ने विश्व को मार्गदर्शन दिया है। यम–नचिकेता संवाद का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि सत्य और ज्ञान की प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्प आवश्यक है। दूसरे वक्ता के रूप में हर्ष आयुर्वेद एवं वैलनेस सेंटर के निदेशक डॉ. अभय नारायण तिवारी ने "मानव जीवन में आयुर्वेद" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने संतुलित आहार में छह रसों–मधुर, अम्ल, लवण, कषाय, कटु और तिक्त–के महत्व को समझाया। साथ ही भारतीय परंपरा में वर्णित 16 संस्कारों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

विक्टोरिया पार्क में आयोजित हुई 14 वीं नेशनल पैरा सिटिंग वॉलीबॉल चौंपियनशिप

पैरा वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 14वीं राष्ट्रीय पैरा सिटिंग वॉलीबॉल चौंपियनशिप का आयोजन विक्टोरिया पार्क इंडोर स्टेडियम, मेरठ में शुरू हुआ। यह प्रतियोगिता 25 से 28 फरवरी 2026 तक जारी रही और इसमें देशभर के 20 राज्यों के करीब 500 पैरा खिलाड़ी शामिल हुए। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि संजय विनायक जोशी तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक उमेश मलिक उपस्थित रहे। लीग मुकाबले, नॉकआउट और फाइनल जैसे चरणों के साथ प्रतियोगिता चली और उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। समापन समारोह में कॉलेज के प्रबंध तंत्र द्वारा भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया।

–:: संरक्षक ::–
प्रो० युद्धवीर सिंह
प्राचार्य, मेरठ कॉलेज, मेरठ

–:: सम्पादक ::–
प्रो० चन्द्रशेखर भारद्वाज
इतिहास विभाग, मेरठ कॉलेज, मेरठ